



# Mansrit

19 Nov 2015

02:35 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121619206

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 18-19/11/2015  
दिन \_\_\_\_\_: बुध-गुरुवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 02:35:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 48:50:05 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Jammu  
राज्य \_\_\_\_\_: Jammu and Kashmir  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 32:42:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 74:52:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:30:32 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 02:04:28 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: 00:14:58 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 05:54:49 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 07:02:58 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 17:28:11 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 10:25:13 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: हेमन्त  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 02:07:21 वृश्चिक  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 04:49:02 कन्या

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: कन्या - बुध  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मकर - शनि  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: धनिष्ठा - 2  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: मंगल  
योग \_\_\_\_\_: ध्रुव  
करण \_\_\_\_\_: विष्टि  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: सिंह  
नाड़ी \_\_\_\_\_: मध्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: वैश्य  
वश्य \_\_\_\_\_: जलचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: मार्जार  
युँजा \_\_\_\_\_: अन्त्य  
हंसक \_\_\_\_\_: भूमि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: गी-गीत  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: रजत - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: वृश्चिक



## विंशोत्तरी दशा

**भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 0 मास 0 दिन**

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
19/11/2015	18/11/2020	19/11/2038	19/11/2054	18/11/2073
18/11/2020	19/11/2038	19/11/2054	18/11/2073	19/11/2090
00/00/0000	राहु 01/08/2023	गुरु 06/01/2041	शनि 21/11/2057	बुध 16/04/2076
19/11/2015	गुरु 25/12/2025	शनि 20/07/2043	बुध 01/08/2060	केतु 13/04/2077
गुरु 10/04/2016	शनि 31/10/2028	बुध 25/10/2045	केतु 09/09/2061	शुक्र 12/02/2080
शनि 20/05/2017	बुध 20/05/2031	केतु 01/10/2046	शुक्र 09/11/2064	सूर्य 19/12/2080
बुध 17/05/2018	केतु 07/06/2032	शुक्र 01/06/2049	सूर्य 22/10/2065	चंद्र 20/05/2082
केतु 13/10/2018	शुक्र 07/06/2035	सूर्य 20/03/2050	चंद्र 23/05/2067	मंगल 17/05/2083
शुक्र 13/12/2019	सूर्य 01/05/2036	चंद्र 20/07/2051	मंगल 01/07/2068	राहु 04/12/2085
सूर्य 19/04/2020	चंद्र 31/10/2037	मंगल 25/06/2052	राहु 08/05/2071	गुरु 10/03/2088
चंद्र 18/11/2020	मंगल 19/11/2038	राहु 19/11/2054	गुरु 18/11/2073	शनि 19/11/2090

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
19/11/2090	18/11/2097	19/11/2117	20/11/2123	19/11/2133
18/11/2097	19/11/2117	20/11/2123	19/11/2133	00/00/0000
केतु 17/04/2091	शुक्र 21/03/2101	सूर्य 09/03/2118	चंद्र 19/09/2124	मंगल 17/04/2134
शुक्र 16/06/2092	सूर्य 21/03/2102	चंद्र 08/09/2118	मंगल 20/04/2125	राहु 06/05/2135
सूर्य 22/10/2092	चंद्र 20/11/2103	मंगल 13/01/2119	राहु 20/10/2126	गुरु 20/11/2135
चंद्र 23/05/2093	मंगल 19/01/2105	राहु 08/12/2119	गुरु 19/02/2128	00/00/0000
मंगल 19/10/2093	राहु 20/01/2108	गुरु 25/09/2120	शनि 19/09/2129	00/00/0000
राहु 06/11/2094	गुरु 20/09/2110	शनि 07/09/2121	बुध 19/02/2131	00/00/0000
गुरु 13/10/2095	शनि 19/11/2113	बुध 15/07/2122	केतु 20/09/2131	00/00/0000
शनि 21/11/2096	बुध 19/09/2116	केतु 20/11/2122	शुक्र 21/05/2133	00/00/0000
बुध 18/11/2097	केतु 19/11/2117	शुक्र 20/11/2123	सूर्य 19/11/2133	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 11 मा 25 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृत्ति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृत्ति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्यों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते हैं। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृत्ति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखें आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखें एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक् प्रवृत्ति के प्राणी हैं तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृत्ति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किंचित लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरुष हैं। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रियात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरुद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत्त हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृत्ति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करें। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार हैं। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करें।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग हैं। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।